IIT-कानपुर के प्रोफेसर ने बहिर्ग्रह (Exoplanet) की खोज की

चर्चा में क्यों?

IIT-कानपुर के **अंतरिक्ष, ग्रहीय एवं खगोलीय विज्ञान तथा अभियांत्रिकी विभाग (Space, Planetary & Astronomical Sciences & Engineering- SPASE)** के एक **सहायक प्रोफेसर** सहित **खगोलविदों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम** ने एक बड़े बहिर्ग्रह की खोज की है जो हमारे सूर्य के समान एक निकटवर्ती तारे की परिक्रमा कर रहा है।

प्रमुख बिंदु:

- **वैज्ञानिक पत्रिका नेचर** के अनुसार, **एप्सिलॉन इंडी एब या एप्स इंड एब** के नाम से जाना जाने वाला सौर मंडल के बाहर का ग्रह, बृहस्पति **से कम से कम छह गुना अधिक द्रव्यमान** होने के कारण **'सुपर-बृहस्पति'** के रूप में वर्गीकृत है।
  - एप्स इंड एब प्रत्यक्ष चित्रण तकनीक का उपयोग करके खोजा गया **पहला परिपक्व बहिर्ग्रह** (हमारे सौर मंडल के बाहर का ग्रह) है।
- जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के **मिड-इन्फ्रारेड उपकरण** का उपयोग करते हुए, खगोलविदों की अंतरराष्ट्रीय टीम ने **K5V-प्रकार के तारे एप्सिलॉन इंडी A** (जिसे HD 209100 या HI के नाम से भी जाना जाता है) **की परिक्रमा कर रहे एक नए बहिर्ग्रह का प्रत्यक्ष चित्र** लिया है।
  - निकटवर्ती परिपक्व बहिर्ग्रह का प्रत्यक्ष चित्रण, अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- हाल ही में पहचाना गया **यह ग्रह पृथ्वी से 12 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और अत्यंत शीतल है, जिसका तापमान लगभग -1°C (30°F) है।**
  - इसकी कक्षा भी बहुत बड़ी है, **जिसका आकार पृथ्वी और सूर्य की दूरी का 28 गुना है।**

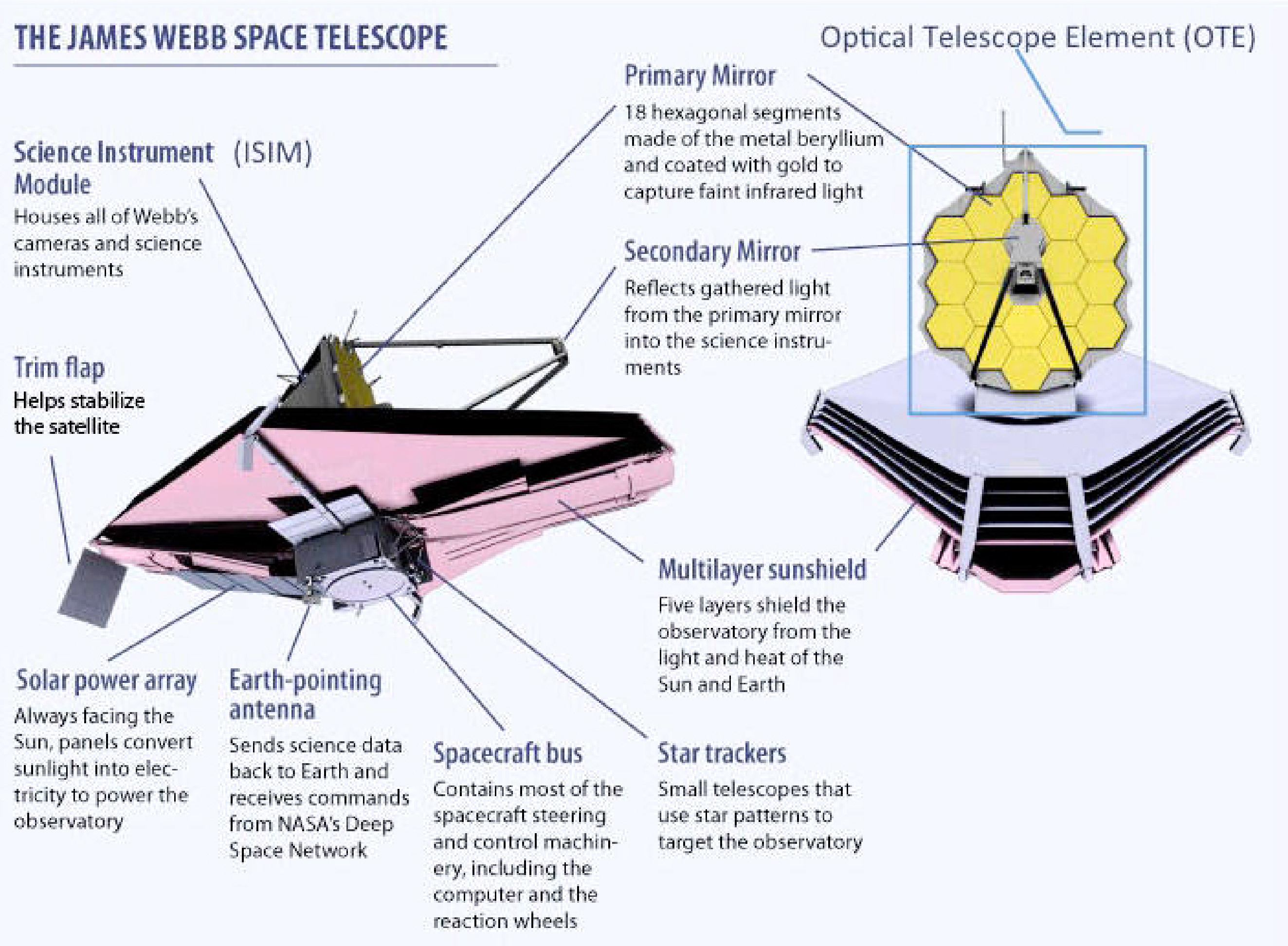

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/iit-kanpur-professor-discovered-exoplanet